RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 05 APRIL TO 11 APRIL 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 29 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है कच्चे तेल का उत्पादन घटाएंगे सऊदी अरब समेत 23 देश Page 2

जीएसटी में पुराने रिटर्न फाइल करने पर पेनल्टी में दी गई छूट Page 3

डॉलर के मुकाबले नई मुद्रा बनाएंगे ब्रिक्स देश! Page 5

editoria!

निशाने पर एआई

इंटरनेट पर सूचनाओं के आधार पर पनपी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का साम्राज्य क्या अब खतरा बनने लगा है? यह आभासी बुद्धिमत्ता, अर्थात एआई तकनीक इतनी मजबूती से सामने आ रही है कि अच्छे-अच्छे वैज्ञानिकों व उद्यमियों को भी आशंकाएं घेरने लगी हैं। इटली में तो एआई चैटजीपीटी को प्रतिबंधित कर दिया गया है। वहां न केवल एआई सेवा को अवरुद्ध किया जाएगा, बल्कि गोपनीयता संबंधी चिंताओं की भी व्यापक जांच की जाएगी। इतालवी एजेंसी का मानना है कि एआई का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बारे में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के लिए सिस्टम के पास उचित कानूनी आधार नहीं है। डाटा एल्गोरिद्म को प्रशिक्षित करने में सहायता के लिए जुटाया जाता है, जिससे चैटजीपीटी को सवालों के जवाब देने में सुविधा होती है। यह एक तरह से हमसे ही चुपचाप सूचनाएं या डाटा लेकर वापस हमें ही बेचने की बुद्धिमत्ता है। सवाल है कि इंटरनेट हमसे जो सूचनाएं ले रहा है और उसका जो नानाविध प्रयोग कर रहा है, क्या उसके लिए हमारी मंजूरी ली गई है? चैटजीपीटी सेवा देने से पहले न तो आयु की जांच हो रही है और न जरूरी नियमों की पालना हो रही है, ऐसे में, इटली इस पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का संभवतः पहला देश बन गया है। इंटरनेट की दुनिया में अनेक तरह के कानूनों का दुरुपयोग हो रहा है, सामाजिक और आर्थिक नियम-कायदों की अवहेलना हो रही है। एआई पहले उतनी बड़ी ताकत नहीं थी, लेकिन अब इतनी बड़ी ताकत हो गई है कि यह तकनीक स्वतः काम करने लगी है। बार-बार इंसानों से मंजूरी लेने की जरूरत भी नहीं है। आप दो चीजों की खोज करते हैं, तो तीसरी चीज स्वयं एआई आपके लिए जुटा लाती है। अनेक विशेषज्ञों को यह लगने लगा है कि यह कहीं न कहीं हमारे अनुरूप चलते हुए सेवा का आभास कराते हुए हमारा दुरुपयोग करती है। शायद एक दिन आएगा, चैटजीपीटी या एआई जनित सेवाएं इंसानी व्यवहार पर हावी हो जाएंगी और समाज का संचालन शुरू कर देंगी। इटली में चिंता तो पहले से जारी थी, लेकिन प्रतिबंध का फैसला तब आया, जब कई विशेषज्ञों ने नई एआई प्रणालियों के विकास पर रोक लगाने का आह्वान किया। यह आशंका जताई जा रही है कि नए एआई उपकरण बनाने की हड़बड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। यूरोपीय उपभोक्ता संगठन बीईयूसी ने गुरुवार को यूरोपीय संघ और अधिकारियों से जांच की मांग की है। विशेष रूप से चैटजीपीटी व ऐसी अन्य सेवाओं पर निगरानी रखने के लिए कहा है। गोपनीयता संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए विनियमन की ओर भी इशारा किया गया है। ऐसे कानूनों का अभाव है, जो सूचना या गोपनीयता की रक्षा कर सकें। आने वाले दिनों में यह संभव है कि पूरे यूरोप में ही चैटजीपीटी पर प्रतिबंध लग जाए। चैटजीपीटी के संचालकों को अपने बचाव के लिए अब ज्यादा सक्रिय होना होगा। उन्हें लोगों को आश्वस्त करना होगा कि इसका दुरुपयोग नहीं होगा। अनुमान है कि विगत दो महीनों में चैटजीपीटी का उपयोग दुनिया के 10 करोड़ लोगों ने किया है। यह तकनीक जिज्ञासा का केंद्र बनी हुई है, मगर क्या इस नई तकनीकी को ज्यादा समय तक रोके रखा जा सकता है? कोई भी नई तकनीक आती है, तो उसका विरोध होता है और अंततः जब वह विकसित हो जाती है, तब सब उसके इस्तेमाल के लिए विवश हो जाते हैं। एआई और चैटजीपीटी के साथ ऐसा नहीं होगा, कहना मुश्किल है।

ओपेक के तेल उत्पादन में कटौती के फैसले के बाद

भारत ने पेट्रोलियम निर्यात पर अप्रत्याशित करों को कर दिया समाप्त

नई दिल्ली। एजेंसी

तेल उत्पादन में कटौती के लिए ओपेक (ऑर्गनाइजेशन ऑफ द ऑयल एक्सपोर्टिंग कंट्रीज) के फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आने के एक दिन बाद, सरकार ने मंगलवार को विंडफॉल टैक्स, या विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को हटाने का फैसला किया। , पेट्रोलियम क्रूड, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर। हालांकि, तेल कंपनियों को देश से डीजल के निर्यात पर 50 पैसे प्रति लीटर का भुगतान करना होगा।

एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोलियम क्रूड के निर्यात पर कर 3,500 रुपये प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया गया और डीजल पर कर 1 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 50 पैसे कर दिया गया। सरकार पेट्रोल और एविएशन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर पहले ही टैक्स हटा चुकी है। सऊदी अरब, इराक और रूस सहित तेल निर्यातक देशों ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत को स्थिर करने के लिए उत्पादन में लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कटौती करने का फैसला किया।

इसके बाद कल (सोमवार) ब्रेंट क्रूड में 6% की तेजी आई और आज यह दोपहर 1 बजे 85.25 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका और यूरोप में बैंकों के पतन के बाद, ब्रेंट क्रूड फ्यूचर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का बेंचमार्क 15 महीने के निचले स्तर लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गया। ओपेक के निर्णय के बाद, जो तेल उत्पादन में कटौती करने के लिए दुनिया के कच्चे तेल का लगभग 30% उत्पादन करता है, गोल्डमैन सैक्स ने ओपेक+ के लिए 2023 के अंत में अपने उत्पादन पूर्वानुमान को 1.1 मिलियन बीपीडी से कम कर दिया और 2023 के लिए अपने ब्रेंट मूल्य पूर्वानुमान को $95 और $100 प्रति बैरल तक बढ़ा दिया। और 2024। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से भारत को नुकसान होने की संभावना है क्योंकि इससे भारत की क्रूड बास्केट कीमत बढ़ेगी और तेल कंपनियों को ईंधन की बिक्री पर नुकसान होगा। इसलिए, पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर अप्रत्याशित करों को हटाने से ऑयल इंडिया लिमिटेड, ओएनजीसी, रिलायंस और नायरा एनर्जी जैसी तेल उत्पादक कंपनियों को बड़ी राहत मिली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी देश में ईंधन के प्राथमिक निर्यातक हैं। अरब डॉलर के बाद, रिलायंस और जियो ने 2 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण जुटाया केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने इस वित्त वर्ष में जनवरी 2023 तक विभिन्न देशों को 81,295 मिलियन डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया। अनुमान है कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अप्रत्याशित कर से 25,000 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। भारत ने पहली बार 1 जुलाई को SAED लगाया, जो उन देशों की बढ़ती संख्या में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के सुपर सामान्य मुनाफे पर कर लगाते हैं। उस समय इसने पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल के निर्यात पर 13 रुपये प्रति लीटर शुल्क लगाया था। सरकार अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े करों की समीक्षा करती है।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल का भाव 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.31 डॉलर यानी 0.40 फीसदी लुढ़क कर 77.97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वही, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.22 डॉलर यानी 0.30 फीसदी की गिरावट के साथ 72.75 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेंड कर रहा रहा है। पेट्रोल और डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद घरेलू बाजार में इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है

नई दिल्ली। एजेंसी

सऊदी अरब समेत 23 देशों ने तेल के उत्पादन में कटौती करने का फैसला लिया है। सभी देश मिलकर हर रोज 19 करोड़ लीटर क्रूड ऑयल का उत्पादन कम करेंगे। इस वजह से तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर भारत समेत दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर पड़ेगा। सीधे शब्दों में कहें तो आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है। सऊदी अरब, ईरान समेत 23 ओपेक्ष देशों ने हर रोज साढ़े 11.6 लाख बैरल यानी करीब 19 करोड़ लीटर तेल के उत्पादन में कटौती करने का फैसला लिया है। अकेले सऊदी अरब पिछले साल की तुलना में 5ज्ञ कम तेल उत्पादन करेगा। इसी तरह इराक ने रोजाना करीब 2 लाख बैरल तेल का उत्पादन कम करने की बात कही है। इस बड़े फैसले की वजह को बताते हुए सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा है कि ये कटौती तेल उत्पादन करने वाले ध्ईं और गैर ध्ईं देश मिलकर करेंगे। ये फैसला दुनिया भर के तेल बाजार को मजबूती देने के लिए लिया गया है। दरअसल, इंटरनेशनल मार्केट में जब भी तेल की कीमत घटने लगती हैं तो ये देश उत्पादन घटाकर दाम बढ़ाने का काम करते हैं।

कच्चे तेल का उत्पादन घटाएंगे सऊदी अरब समेत 23 देश

तेल का उत्पादन घटाकर कीमत बढ़ाने का गणित

जनवरी 2020 की बात है। अमेरिका में कच्चे तेल का उत्पादन 12.8 मिलियन बैरल प्रति दिन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी समय कोरोना महामारी की वजह से दुनिया भर में तेल की मांग घटी। वहीं, तेल के उत्पादन में कोई कमी नहीं हुई। इसकी वजह से तेल की कीमत में भारी गिरावट आ गई। सऊदी अरब, इराक और अमेरिका के कई तेल ऑपरेटरों ने घाटे को कम करने के लिए अपने कुओं को बंद कर दिया। तेल के उत्पादन में हुई इस कटौती के बाद एक बार फिर से तेल की कीमत बढ़ गई।

अभी तेल उत्पादन घटाने के फैसले के पीछे 3 वजहे हैं

1. फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। 2008 के बाद से कच्चा तेल इस स्तर पर कभी नहीं गया था। इसके बाद तेल के भाव तब नीचे आए जब अमेरिका और रूस जैसे देशों ने इंटरनेशनल मार्केट में अपना रिजर्व तेल बेचना शुरू कर दिया। इसका परिणाम ये हुआ कि मार्च 2023 में क्रूड ऑयल की कीमत गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।
2. पूरी दुनिया में क्रूड ऑयल का ग्लोबल स्टोरेज 18 महीने के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में स्टोरेज ज्यादा होने और मांग कम होने की वजह से तेल की कीमत घटी है।
3. 2008-2009 में फाइनेंशियल क्राइसिस की वजह से महज 5 महीने के भीतर क्रूड का भाव 148 डॉलर से गिरकर 32 डॉलर हो गया था। अब अमेरिका में सिलिकॉन वैली, सिग्नेचर और फर्स्ट रिपब्लिक जैसे बड़े बैंकों के डूबने की वजह से एक बार फिर से तेल की कीमत में गिरावट की आशंका जताई जा रही है।

OPEC+ देशों के इस फैसले के बाद पूरी दुनिया में तेल की कीमत बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। कीमत को लेकर दुनिया की 2 बड़ी संस्थाओं और एक एक्सपर्ट ने अपने अनुमान जाहिर किए हैं

इंवेस्टमेंट फर्म पिकरिंग एनर्जी पार्टनर्स ने बताया कि तेल के दाम में 10 डॉलर यानी 850 रुपए प्रति बैरल का इजाफा हो सकता है। अगर इसी तरह से तेल का उत्पादन कम होता रहा तो आने वाले दिनों में कीमत और ज्यादा बढ़ सकती है।

गोल्डमैन सैच ने कहा है कि ध्ईं देशों के इस फैसले के बाद ही इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की कीमत 86 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। ये कीमत पिछले एक महीने में सबसे ज्यादा है। दिसंबर 2023 तक क्रूड ऑयल की कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा होने की संभावना जताई है।

एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा का कहना है कि OPEC+ देशों के इस फैसले से पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ेगी, लेकिन कितना ये अभी कहना मुश्किल है। तनेजा का कहना है कि किसी देश में तेल की कीमत 3 चीजों से तय होती है

1. जियोपॉलिटिकलः इसे ऐसे समझें कि जंग के बाद अपने अच्छे संबंधों की वजह से रूस से भारत को सस्ता क्रूड ऑयल मिला। इसी तरह अंतराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली राजनीति भी तेल की कीमतों को प्रभावित करती है। इसका कोई आधार नहीं होता है। बाजार के नजरिए के आधार पर तेल की कीमत तय होती है।
2. डिमांड और सप्लाईः तेल की मांग बढ़ जाए और उत्पादन कम हो। इस स्थिति में भी तेल की कीमत बढ़ जाती है। इसके अलावा महंगाई भी डिमांड और सप्लाई को प्रभावित करती है।
3. तेल उत्पादक देशों का नजरियाः ये इस बात पर निर्भर करता है कि तेल उत्पादक देश को कितना पैसा चाहिए और दुनिया उसके लिए कितना पैसा देने के लिए तैयार है। अभी ध्ईं देशों ने हर रोज 16 लाख बैरल कम तेल उत्पादन करने का फैसला भी इसी वजह से लिया है।

ओपेक + देशों के फैसले का भारत पर भी पड़ेगा असर

अप्रैल से दिसंबर 2022 के बीच भारत ने कुल 1.27 अरब बैरल तेल खरीदा था। इसमें से करीब 19% तेल भारत ने रूस से खरीदा था। इन 9 महीनों में भारत ने तेल आयात करने में सऊदी अरब और इराक से ज्यादा रूस से तेल खरीदा है। इसकी वजह से भारत को प्रति बैरल 2 डॉलर तक की बचत हुई है।

एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा बताते हैं कि ओपेक्ष देशों के इस फैसले का निश्चित तौर पर भारत पर भी असर पड़ेगा। इसकी वजह ये है कि इस ग्रुप में रूस भी शामिल है। तेल के उत्पादन में कमी की वजह से जब दुनिया भर में क्रूड ऑयल की कीमत बढ़ेगी। ऐसे में डिस्काउंट प्राइस पर रूस से मिल रहे तेल की कीमत भी बढ़ जाएगी।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन का मानना है कि एक बैरल तेल की कीमत में 10 डॉलर की वृद्धि का मतलब है कि देश की GDP ग्रोथ 0.2% -0.3% कम हो जाती है। वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विस से जुड़े डॉक्टर विजय कुमार का कहना है कि एक बैरल कच्चे तेल की कीमतों में 10 डॉलर बढ़ने से देश की महंगाई दर 0.1ज्ञ तक बढ़ जाती है।

तेल के लिए ओपेक+ पर दुनिया के देशों की निर्भरता

इस वक्त दुनिया भर में 50% से ज्यादा क्रूड ऑयल का उत्पादन ओपेक ट्ट देशों में होता है। दुनिया के कुल तेल भंडार का 90% हिस्सा इन्हीं देशों में रिजर्व है। इसमें रूस, सऊदी अरब समेत 23 देश शामिल हैं। वहीं, 13 ओपेक देश इस समय 40% तेल का उत्पादन करते हैं।

अमेरिकी एनर्जी इंफार्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दुनिया भर में 100 देश क्रूड ऑयल का उत्पादन करते हैं। इनमें से सिर्फ 5 देश अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, कनाडा और इराक में ही 51% तेल का प्रोडक्शन होता है।

ओपेक देशों के संगठन ने जब अमेरिका की इकोनॉमी को कर दिया था तबाह

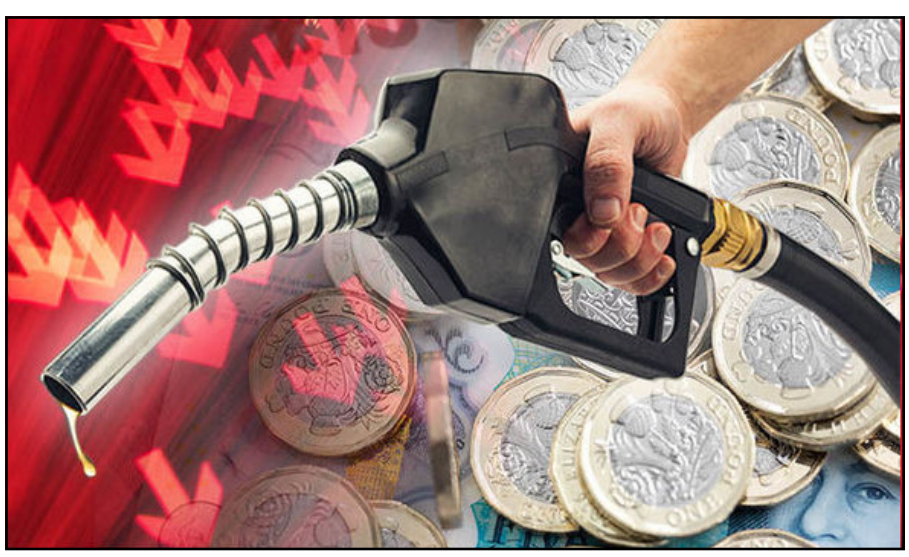

ओपेक्ष देशों के इस फैसले से अमेरिका को झटका लगा है। इसकी वजह ये है कि रूस-यूक्रेन जंग के बाद अमेरिका तेल की कीमत नहीं बढ़ने देना चाहता है। इसके लिए जरूरी है कि ओपेक देश तेल का उत्पादन कम नहीं करें। इससे पहले 1960 में भी तेल उत्पादक देशों ने अमेरिका को जोरदार झटका दिया था। अब 62 साल पुराने इस किस्से को जानिए

1960 में ओपेक देशों के संगठन बनने के बाद 1973 में सऊदी अरब, ईरान और इराक के नेतृत्व वाले कुछ देशों ने अमेरिका जैसे ताकतवर देशों की इकोनॉमी को पूरी तरह से ठप कर दिया था। दरअसल, 1973 में होने वाले योम किपुर की लड़ाई में अमेरिका ने इजराइल का समर्थन किया था। दूसरी तरफ मिस्र और सीरिया के नेतृत्व वाले अरब देश शामिल थे।

इन देशों ने जब अमेरिका को तेल देना बंद किया तो अमेरिका की इकोनॉमी अपने सबसे बुरे दौर में जा चुकी थी। इसी समय ओपेक दुनिया के ताकतवर तेल संगठन के रूप में दुनिया के सामने उभर कर आया। तभी से यह माना गया कि ओपेक वर्ल्ड इकोनॉमी को सीधा प्रभावित करता है।

जीएसटी में पुराने रिटर्न फाइल करने पर पेनल्टी में दी गई छूट

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जीएसटी काउंसिल की फरवरी माह में सम्पन्न मीटिंग के निर्णयानुसार करदाताओं को राहत देने के लिए सरकार द्वारा दिनांक एक अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोकसभा द्वारा बजट 2023 को पास कर दिया गया है। इसके कारण कुछ महत्वपूर्ण प्रावधान जल्द ही लागू हो जाएंगे। जीएसटी में इन्हीं नए प्रावधानों पर चर्चा के लिए टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन इंदौर एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की इंदौर शाखा ने एक सेमिनार आयजित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए पल्केश असावा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी में वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर 9 एवं 9ए) विलम्ब से फाइल करने पर 200 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से पेनल्टी देना होती है। कई करदाता समय पर रिटर्न फाइल करने से चूक गए जिसके कारण उन पर पेनल्टी की राशि लाखों में आ रही थी। इस कारण से वे रिटर्न भी फाइल नहीं कर पा रहे थे। एक अप्रैल को सरकार द्वारा एक नोटीफिकेशन जारी करके एमनेस्टी स्कीम लाई गई है। जिसके तहत 2017 -18 से लेकर 2021 -22 तक के सभी रिटर्न अधिकतम 20 हजार की लेट फीस के साथ फाइल किए जा सकते हैं। इसके लिए 30 जून 2023 तक अपने पुराने सभी रिटर्न फाइल करना होंगे। इसके पश्चात् रिटर्न फाइल करने पर पूरी पेनल्टी देना होगी। अतः पुराने रिटर्न दाखिल करके, अपना टैक्स कंप्लायंस करने का यह सुनहरा मौका है। इसके साथ ही कंपोजिशन टैक्सपेयर के लिए भी पुराने रिटर्न फाइल करने को लेकर लेट फीस में छूट दी गई है। ऐसे करदाता अब जुलाई 2017 से लेकर मार्च 2022 के सभी रिटर्न मात्र 500 रुपए की लेट फीस के साथ दाखिल कर सकते हैं। कोई भी कर देयता नहीं होने पर पूरी लेट फीस माफ कर दी गई हैध यह स्कीम भी 30 जून 2023 तक ही वैध है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष सी ए शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने सरकार द्वारा रिटर्न दाखिल करने में देरी पर पेनल्टी में दी गई राहत के लिए प्रसन्नता जाहिर की। परन्तु निरस्त किए गए रजिस्ट्रेशन को पुर्नजीवित करने पर पेनल्टी एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट के प्रावधानों में भी छूट देने का आग्रह किया ताकि इसका सही लाभ करदाता तक पहुंच सके। कार्यक्रम का संचालन सीजीएसटी सचिव सीए कृष्ण गर्ग ने किया। कार्यक्रम में सीए एसएन गोयल, सुनील पी जैन, प्रखर गोयल, एस सी बंसल, पियूष वोहरा, स्वप्निल जैन, अभय शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में अधिवक्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं कर सलाहकार उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन सी ए रजत धानुका ने किया।

इंडियन रिफाइनरी की जासूसी करवा रहा पाकिस्तान! बाड़मेर से पकड़े गए 4 जासूस

जयपुर। एजेंसी

पुलिस ने राजस्थान के बाड़मेर में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें से एक होमगार्ड का सिपाही बताया जा रहा है. इन लोगों पर बाड़मेर में मंगला रिफाइनरी से जुड़ी जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेजने का आरोप है। ये लोग आईएसआई को रिफाइनरी के वीडियो और फोटो भेजते थे। इन लोगों को राजस्थान इंटेलिजेंस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों को पूछताछ के लिए जयपुर लाया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार होमगार्ड बाड़मेर की मंगला रिफाइनरी की सुरक्षा में तैनात था। वह आईएसआई को इस रिफाइनरी की पूरी जानकारी फोटो और वीडियो के रूप में भेजता था। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोपियों की गिरफ्तारी राजस्थान इंटेलिजेंस ने की है। इन लोगों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। इंटेलिजेंस ने इन लोगों से पूछताछ की है। इन लोगों से यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि ये लोग कब से पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे थे। इससे पहले भारतीय सेना की जासूसी के मामले सामने आते रहे हैं। जासूस सेना की गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किए जाते रहे हैं। लेकिन भारतीय रिफाइनरी की जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेजने का यह राजस्थान में पहला मामला है।

मार्च में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया रिकॉर्ड, बढ़कर इतने लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली। एजेंसी

माल एवं सेवा कर कलेक्शन मार्च में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.60 लाख करोड़ हो गया। यह अब तक का दूसरा सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन है। इसके साथ ही फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि रही। वित्त मंत्रालय ने मार्च, 2023 के जीएसटी कलेक?शन के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस महीने में अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी रिटर्न भी जमा किया गया। पिछले महीने जीएसटी में रजिस्टर्ड 91 प्रतिशत से ज्यादा कारोबारों ने रिटर्न जमा करने के साथ टैक्स का भुगतान किया।

अप्रैल 2022 में सबसे ज्यादा कलेक्शन

जीएसटी का सबसे ज्यादा कलेक्शन अप्रैल, 2022 में 1.68 लाख करोड़ रुपये रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान जीएसटी का कुल कलेक्शन 18.10 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। समाप्त वित्तीय वर्ष में जीएसटी का औसत मासिक संग्रह 1.51 लाख करोड़ रुपये रहा है। इस पूरे साल में चार बार मंथली बेस पर टैक्स कलेक्शन 1.50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि मार्च में फरवरी के लिए 93.2 प्रतिशत जीएसटीआर-1 फॉर्म जमा किए गए, जबकि 91.4 प्रतिशत जीएसटीआर-3बी फॉर्म भरे गए। यह रिटर्न भरने का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। केपीएमजी के भारत में साझेदार (अप्रत्यक्ष कर) अभिषेक जैन ने कहा कि जीएसटी के मासिक एवं वार्षिक संग्रह के आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते हुए आकार को दर्शाते हैं।

शेयर बाजार में लगा तेजी का चौका

सेंसेक्स 582 अंक ऊपर बंद, L&T 4% चढ़ा

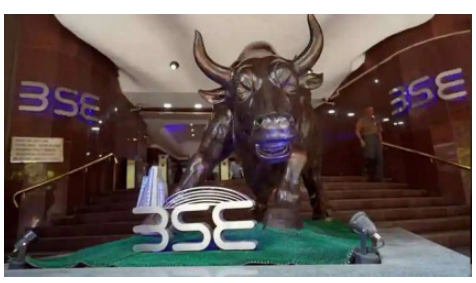

मुंबई। एजेंसी

इससे पहले 3 अप्रैल को BSE सेंसेक्स 115 अंकों की मजबूती के साथ 59,106 पर बंद हुआ था। बाजार में तेजी का यह लगातार तीसरा दिन रहा. इसी तरह निफ्टी भी 38 अंक चढ़कर 17,398 पर बंद हुए। एक दिन की छुट्टी के बाद खुले मार्केट में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार बुधवार को लगातार चौथे मजबूती के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 582 अंक ऊपर 59,689 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 159 अंकों की मजबूती के साथ 17,557 पर बंद हुआ। बाजार की तेजी में FMCG, IT और फाइनेंशियल स्टॉक्स सबसे आगे रहे. NSE पर सभी इंडेक्स 1-1 फीसदी की मजबूती के साथ बंद हुए. मंगलवार को महावीर जयंती के अवसर पर बंद रहे।

बांझपन और गर्भपात रोकने में काम आने वाली दवा अब बनेगी भारत में ही

नई दिल्ली। एजेंसी

बांझपन के इलाज और गर्भपात रोकने में काम आने वाली दवा का अब आयात नहीं करना होगा। कंडोम बनाने वाली दिग्गज कंपनी मैनकाइंड फार्मा इसे यहीं बनाएगी। कंपनी राजस्थान के उदयपुर में इसके लिए नया कारखाना शुरू करने जा रही है। इस पर कंपनी करीब 250 से 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। फैक्ट्री के इस साल सितंबर-अक्टूबर तक शुरू होने की संभावना है। इस फैक्ट्री में डाइड्रोजेस्टेरोन के लिए फॉर्मूलेशन और एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स यानी एपीआई का निर्माण करेगी। अभी तक इस दवा पर विदेशी कंपनी एबॉट का ही एकाधिकार है।

देश में है इस दवा का बड़ा बाजार

इंफर्टिलिटी और मिसकैरेज की समस्या अब काफी दिखने लगी है। तभी तो सिंथेटिक हार्मोन ब्रांड डुप्स्टन का देश में बड़ा बाजार बन गया है। मैनकाइंड फार्मा इसी दवा के निर्माण के लिए इस फैक्ट्री की शुरुआत कर रही है। फाइनेंशियल ईयर 22 में डाइड्रोजेस्टेरोन का भारत में 610 करोड़ रुपये का बाजार था। इस दवा का इस्तेमाल गर्भपात को रोकने और बांझपन के इलाज के लिए किया जाता है।

200 करोड़ बिक्री को पार करने का लक्ष्य

मैनकाइंड फार्मा के एमडी राजीव जुनेजा के मुताबिक, इस फैक्ट्री के शुरू होते ही डाइड्रोजेस्टेरोन के मामले में दुनिया के में वह सबसे बड़े उत्पादकों में से एक हो जाएंगे। कंपनी ने साल 2019 में डाइड्रोजेस्टेरोन को लॉन्च किया था। कंपनी को उम्मीद है कि इस साल यानी 2023 में वह 200 करोड़ की बिक्री के आंकड़े को पार कर जाएगी। हालांकि डाइड्रोजेस्टेरोन जैसे जटिल हार्मोन को औद्योगिक रूप से डेवलेप करना एक चुनौतीपूर्ण काम है। अभी तक एबोट ही ऐसा करने में सक्षम था। IQVIA के मुताबिक,, Abbott ने FY22 में भारत में कुल 610-करोड़ के डायड्रोजेस्टेरोन बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की। हालांकि अब तेजी से मैनकाइंड बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही है। डायड्रोबून ब्रांड नाम के तहत बेचे जाने वाले डायड्रोजेस्टेरोन के इसके सेगमेंट ने करीब 150-करोड़ की बिक्री की है, जिसमें 24.6इ बाजार की हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2020 और वित्त वर्ष 22 के बीच इसमें सालाना 246% की बढ़ोतरी हुई है।

कई कंपनियां हैं दौड़ में

हालांकि बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अकेले मैनकाइंड ही शामिल नहीं है। इस दौड़ में कई और बड़ी कंपनियां भी शामिल है। सिप्ला, अल्केम, एरिस लाइफसाइंसेस जैसी अन्य कंपनियां भी दौड़ में हैं। हालांकि डाइड्रोजेस्टेरोन के मामले में एबोट मैनकाइंड से पीछे नहीं रहने वाला है। कंपनी ने दवा निर्माण् में अपनी तेजी को बनाए रखने के लिए मार्केटिंग की शुरुआत कर दी है।

कोरोना केस का नया रिकॉर्ड

24 घंटे में चार हजार से ज्यादा संक्रमित मिले, 4 दिन में मौतों की रफ्तार 200% बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। संक्रमण के चलते जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ गई है। हर रोज मिलने वाले नए मरीजों के मामले में भारत पहले से ही दुनिया के टॉप-10 देशों की सूची में शामिल हो गया था। अब मौतों के मामलों में भी भारत टॉप-10 देशों में शामिल हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंदर देश में रिकॉर्ड 4,435 लोग संक्रमित पाए गए। ये पिछले 163 दिन के आंकड़ों में सबसे अधिक है। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या 23 हजार 91 पहुंच गई है। एक्टिव केस का मतलब ऐसे मरीज, जिनका अभी इलाज चल रहा है। कोरोना से होने वाली मौतें भी बढ़ गईं हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर 15 लोगों ने जान गंवा दी। इनमें चार-चार केरल और महाराष्ट्र में मौतें हुईं। छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पुडुचेरी और राजस्थान में एक-एक कोरोना संक्रमित ने जान गंवा दी। अब तक संक्रमण के चलते कुल पांच लाख 30 हजार 916 मौतें हो चुकी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले चार दिन के अंदर ही मौत की रफ्तार 200 प्रतिशत बढ़ गई। इस बीच 40 लोगों ने जान गंवाई। एक अप्रैल को पांच लोगों की मौत हुई थी। दो अप्रैल को 11, तीन अप्रैल को नौ और चार अप्रैल को 14 लोगों ने जान गंवा दी। देश में अब तक चार करोड़ 47 लाख 33 हजार 719 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 0.05 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं जिनका इलाज चल रहा है। 98.76 प्रतिशत लोग ठीक हो चुके हैं। 1.19 प्रतिशत मरीजों की मौत हो चुकी है। डेली पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 3.38 प्रतिशत पहुंच गया है। वीकली पॉजिटिविटी रेट 2.97 प्रतिशत है। देश में अब तक 220.66 करोड़ कोविड की डोज लगाई जा चुकी है।

Metro In Indore

डिपो में मेट्रो की पटरी बिछी, अब ट्रायल रन का इंतजार

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

शहर में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के काम में तेजी आ गई हैं। कारिडोर के अलावा गांधी नगर में 75 एकड़ के डिपो के काम में भी तेजी आ गई है। यहां पर मेट्रो को इंस्पेक्शन यार्ड तक ले जाने के लिए पटरी बिछाने का काम काफी तेजी से चल रहा है। स्लीपर्स पर पटरी बिछाने और जोड़ने का काम काफी तेजी से चल रहा है। अब यहां पर अच्छा खासा ट्रैक नजर आने लगा है। इसी के साथ, इस साल अगस्त सिंतबर में होने वाले ट्रायल रन की संभावना बढ़ गई है।मेट्रो के ट्रायल रन के लिए अगस्त-सितंबर की समय सीमा तय की गई है, जिसमें 5.9 किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर पर तीन कोच की एक ट्रेन चलाई जाएगी। लेकिन इसके लिए डिपो का तैयार होना काफी जरूरी है। अधिकारियों का कहना है कि डिपो का काम भी तेजी से चल रहा है। यहां पर रात को आकर सभी 25 ट्रेन खड़ी होगी। रोजाना चलने के पहले उनका निरीक्षण होगा और उनका रखरखाव भी होगा। गांधी नगर स्टेशन से ट्रेन डिपो में प्रवेश करेगी। यहां पर पटरी बिछाने का काम चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि पटरियों की आपूर्ति छत्तीसगढ़ से जारी है। बेलास्ट पर स्लीपर्स बिछाने का काम काफी तेजी से चल रहा है। अब पटरी बिछाई जा रही है। कोलकाता की एक कंपनी टेक्समोरेल को इसका ठेका मिला है, जो डिपो के अलावा पूरे 31.5 किलोमीटर के हिस्से में पटरी बिछाएगी। गौरतलब है कि इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट 31.5 किलोमीटर का है। अभी पहले चरण के 17.5 किलोमीटर का काम चल रहा है, जबकि दूसरे चरण के पहले पांच किलोमीटर के लिए हाल ही में टेंडर जारी किए गए हैं। यह काम 495 करोड़ रुपये में होगा।

सीजन 2022-23: देश में 338 चीनी मिलों में पेराई हुई बंद

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) के अनुसार, मौजूदा सीज़न में, देश भर में अब तक 532 मिलों ने अपना परिचालन शुरू कर दिया है, जबकि पिछले सीज़न में 31 मार्च तक 518 मिलों ने काम किया था।

इसी तारीख को, चालू सीजन में 338 मिलों ने अपने पेराई कार्यों को बंद कर दिया है, जबकि देश में 194 चीनी मिलें अभी भी चल रही हैं। हालाँकि, पिछले सीज़न 2021-22 में, 152 मिलों ने अपने पेराई कार्यों को बंद कर दिया था और 31 मार्च, 2022 तक 366 मिलें चल रही थीं। इस वर्ष मार्च के अंत बनाम पिछले वर्ष के अंत तक, कार्यरत कारखानों और एथेनॉल के उत्पादन के लिए डाइवर्ट और बिना डाइवर्ट वास्तविक चीनी उत्पादन को दर्शाती है ।

बढ़ने वाली है आपके Loan की EMI, ब्याज दरों में इजाफे को रहें तैयार, इस हफ्ते आएगा बड़ा फैसला

नई दिल्ली । एजेंसी

जल्द ही आम जनता पर महंगाई की एक और मार पड़ सकती है। उनके लोन की ईएमआई में इजाफा हो सकता है। साथ ही होम लोन, पर्सनल लोन, कार लोन सहित सभी तरह के लोन्स पर ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक अगले सप्ताह होने वाली मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 फीसदी की एक और वृद्धि का फैसला ले सकता है। खुदरा महंगाई के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर बने रहने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व समेत कई केंद्रीय बैंकों के आक्रामक रुख के बीच आरबीआई यह फैसला ले सकता है।

यह हो सकती है आखिरी रेट हाइक

आरबीआई मई, 2022 से लगातार ब्याज दरों में इजाफा कर रहा है। हो सकता है इस समीक्षा में होने वाली रेट हाइक आखिरी हो। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (श्इ्ण) की द्विमासिक समीक्षा बैठक तीन अप्रैल से शुरू होने जा रही है। तीन दिन तक चलने वाली यह बैठक छह अप्रैल को नीतिगत दर संबंधी फैसले के साथ खत्म होगी।

4 से बढ़कर 6.50% पर पहुंच गई रेपो रेट

महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने मई, 2022 से लगातार नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का रुख अपनाया हुआ है। इस दौरान रेपो दर 4 फीसदी से बढ़कर 6.50 फीसदी पर पहुंच चुकी है। फरवरी में हुई पिछली एमपीसी बैठक में भी रेपो दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि की गई थी।

तमाम घरेलू और वैश्विक पहलुओं को ध्यान में रखकर होगा फैसला

एमपीसी की बैठक में मौद्रिक नीति से जुड़े तमाम घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पहलुओं की व्यापक समीक्षा के बाद कोई फैसला लिया जाएगा। इस दौरान उच्च खुदरा महंगाई की स्थिति और विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों- अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक एवं बैंक ऑफ इंग्लैंड के हालिया कदमों का भी गहन विश्लेषण किया जाएगा।

संतोषजनक स्तर से ऊपर है महंगाई

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ण्इ्ध) आधारित महंगाई जनवरी में 6.52 फीसदी और फरवरी में 6.44 फीसदी पर रही है। खुदरा मुद्रास्फीति का यह स्तर आरबीआई के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से अधिक है। एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री सौगत भट्टाचार्य ने हाल ही में संवाददाताओं से कहा, 'मैं दरों में एक और आखिरी 0.25 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद करता हूं।'

0.25 फीसदी का हो सकता है इजाफा

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'पिछले दो माह से मुद्रास्फीति के छह फीसदी से ऊपर बने रहने और तरलता के भी अब लगभग तटस्थ हो जाने के बाद ऐसी उम्मीद है कि आरबीआई एक बार फिर रेपो दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके साथ ही आरबीआई अपने रुख को तटस्थ घोषित कर यह संकेत भी दे सकता है कि दरों में वृद्धि का दौर खत्म हो चुका है।' कुल मिलाकर समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई कुल छह एमपीसी बैठकों का आयोजन करेगा। केंद्र सरकार ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि खुदरा मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो फीसदी ऊपर या नीचे) के दायरे में रहे।

डॉलर के मुकाबले नई मुद्रा बनाएंगे ब्रिक्स देश!

क्यों दुनिया तलाश रही अमेरिकी करेंसी का विकल्प?

नई दिल्ली। एजेंसी

बीते साल रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण रूस को कड़े वैश्विक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। इन्हीं चुनौतियों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले दिनों एक नई विदेश नीति अपनाई। इसमें चीन और भारत को विश्व मंच पर अपने मुख्य सहयोगियों के रूप में पहचान दी गई। अब तीनों राष्ट्र कुछ अन्य देशों के साथ मिलकर नई मुद्रा बनाने की तैयारी में हैं। दरअसल, रूसी सांसद अलेक्जेंडर बाबाकोव ने एक बयान में कहा है कि ब्रिक्स राष्ट्र भुगतान के लिए एक नया माध्यम बनाने की प्रक्रिया में हैं।

अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने के लिए ब्रिक्स देश क्या कर रहे हैं? क्या है ब्रिक्स? क्या भारत भी अपनी मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के प्रयास में है? भारत के अलावा और कौन से देश डॉलर का विकल्प तलाश रहे हैं? नई मुद्रा निर्माण में रूस की क्या भूमिका होगी? डॉलर से अलग कैसी होगी भुगतान व्यवस्था? देश क्यों तलाश रहे हैं अमेरिकी डॉलर का विकल्प?

अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने के लिए ब्रिक्स देश क्या कर रहे हैं?

ब्रिक्स देश अंतरराष्ट्रीय भुगतान में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने की एक खास तैयारी कर रहे हैं। ब्रिक्स देश कथित तौर पर आपस में व्यापार के लिए एक सामान्य मुद्रा बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसी साल अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक नई वित्तीय व्यवस्था की घोषणा की जा सकती है।

रूसी सांसद अलेक्जेंडर बाबाकोव ने भारत में पिछले हफ्ते सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम इवेंट में एक बयान में कहा था कि ब्रिक्स राष्ट्र भुगतान के लिए एक नया माध्यम बनाने की प्रक्रिया में हैं। बाबाकोव ने कहा कि योजना शुरू में लेनदेन में घरेलू मुद्राओं का उपयोग करने के लिए है। इसके बाद एक डिजिटल या मुद्रा के वैकल्पिक रूप की शुरूआत की जा सकती है। बाबाकोव ने बताया कि ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन से इस विशेष पहल को लागू करने की तैयारी की जानकारी मिल सकती है। फिलहाल योजना पर काम जारी है।

क्या है ब्रिक्स?

अंग्रेजी अक्षरों BRICS से बना है। 'ब्रिक्स' दुनिया की पांच उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। जैसा कि नाम से अनुमान लगाया जा सकता है, ये देश हैं - ब्राजील, रुस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका। ब्रिक्स के विचार की परिकल्पना वर्ष 2001 में की गई थी, जो 2006 में ब्रिक के रूप में सामने आई और 2010 में जब इस समूह में दक्षिण अफ्रीका शामिल हुआ, तो यह ब्रिक्स बन गया। 'ब्रिक' शब्दावली के जन्मदाता जिम ओ'नील हैं। ओ'नील ने इस शब्दावली का प्रयोग सबसे पहले वर्ष 2001 में अपने शोधपत्र में किया था। उस शोधपत्र का शीर्षक था, 'बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स'। ओ'नील अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कंसलटेंसी गोल्डमैन सैक्स से जुड़े हैं।

क्या भारत भी अपनी मुद्रा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के प्रयास में है?

भारत डॉलर को वैश्विक मुद्रा के रूप में रुपये से बदलने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। देश लगातार डॉलर की कमी से जूझ रहे देशों को अपने व्यापार भारतीय रुपये में करने की पेशकश कर रहा है। भारत का लक्ष्य है कि अपने उन पड़ोसी देशों को संकट से बचाया जा सके जिनका यह महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदार है।

डॉलर से अलग कैसी होगी भुगतान व्यवस्था?

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ पेपे एस्कोबार ने एक टिप्पणी में लिखा था कि प्रस्तावित कार्ड वीजा या मास्टर कार्ड की तर्ज पर होगा, जो इस व्यवस्था में शामिल होने वाले सभी देशों में चलेगा। इसके जरिए किसी भी मुद्रा में किया गए भुगतान तुरंत दूसरे देश की मुद्रा में प्राप्त हो जाएगा। एस्कोबार ने लिखा था- 'यह व्यवस्था पश्चिम नियंत्रित मौद्रिक व्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चुनौती साबित होगी। इसके तहत ब्रिक्स देश डॉलर से हटते हुए आपसी व्यापार का भुगतान अपनी मुद्राओं में करेंगे।'

भारत के अलावा और कौन से देश डॉलर से मुक्ति पाना चाहते हैं?

डॉलर से अपने कारोबार को अलग करने की दिशा में रूस और चीन पहले से ही काम कर रहे हैं। पिछले साल दिसंबर में रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने बताया था कि दोनों देशों के बीच अब लगभग आधा कारोबार अपनी मुद्राओं- रुबल और युवान में हो रहा है। मुशुस्तिन ने चीन के प्रधानमंत्री ली किचियांग के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस में हिस्सा लिया था। इसमें उन्होंने उम्मीद जताई थी कि अब डॉलर या यूरो में भुगतान करने की जगह सभी देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राएं का अधिक इस्तेमाल करेंगे। मिशुस्तिन ने कहा था कि बाहरी दबावों और प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों के बावजूद रूस और चीन का आपसी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष के पहले दस महीनों में दोनों देशों के बीच लगभग 150 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ, जो साल भर पहले की तुलना में एक तिहाई ज्यादा है।

नई मुद्रा निर्माण में रूस की क्या भूमिका होगी?

विश्लेषकों के मुताबिक रूस ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने को अपना लक्ष्य बना रखा है। इसी कोशिश में वह अलग-अलग देशों के साथ आपसी मुद्राओं में कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। इसमें उसे चीन और भारत जैसे देशों का साथ मिला है। नवंबर 2022 में यूरेशिया इकॉनमिक यूनियन (यूएईयू) की बैठक में भी रूस ने इसी मुद्दे को सबसे ज्यादा तरजीह दी थी। वहां रूस से ईएईयू मामलों के मंत्री सर्गेई ग्लेजयेव ने विभिन्न देशों के बीच आपसी मुद्राओं में भुगतान के सिस्टम का एक खाका पेश किया था। उन्होंने बताया था कि इस सिस्टम से संबंधित प्रस्ताव यूरेशियन इकॉनमिक कमीशन (ईईसी) और ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) को भेजा गया है। इस रूसी प्रस्ताव के तहत कई देशों के भुगतान कार्डों को शामिल कर एक कार्ड तैयार किया जाएगा। इन कार्डों में भारत का रूपे, रूस का मीर, ब्राजील एलो, चीन का यूनियन-पे आदि शामिल होंगे।

देश क्यों तलाश रहे हैं अमेरिकी डॉलर का विकल्प?

अमेरिकी डॉलर का लगभग पूरी दुनिया में दबदबा है। अधिकांश व्यापार अमेरिकी डॉलर में दर्शाया जाता है। स्विट्जरलैंड स्थित बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स, बासेल के अनुसार, वैश्विक व्यापार का लगभग 50 फीसदी अमेरिकी डॉलर में होता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से इसमें अचानक वृद्धि देखी गई है। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत की तुलना में अमेरिकी डॉलर 10 प्रतिशत अधिक और एक दशक पहले की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक मूल्य पर आ गया है। बीते अक्तूबर में एक समय पर डॉलर 2000 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर था।

मुद्रा के मूल्य में इस बढ़ोतरी की वजह से डॉलर में देय ऋण को चुकाना और अधिक महंगा हो गया है। खासकर उन देशों के लिए जो अन्य देशों से बड़ी मात्रा में ईंधन, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुएं खरीदते हैं, यह उनके आयात में अचानक वृद्धि का कारण भी बन गया है। यही कारण है कि न केवल भारत, चीन और रूस डॉलर के प्रति अपने जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि अमेरिका के करीबी दोस्त भी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

क्या जनगणना में इस्तेमाल होगा आधार?

मृतकों के आधार कार्ड का क्या, संसद में सरकार ने दिए बड़े सवालों के जवाब

नई दिल्ली। आधार कार्ड सरकारी योजनाओं के लाभ लेने या फिर कई सुविधाओं के लिए काफी अहम है। हालांकि, आधार कार्ड को जनगणना में इस्तेमाल करने का सरकार का फिलहाल कोई इरादा नहीं है। यही नहीं, मृतकों के आधार को वापस लेने, बंद करने की कोई व्यवस्था अभी नहीं है। ये सभी जानकारी आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संसद में दिए अपने लिखित जवाब में दी है। कांग्रेस सांसद एडवोकेट अडूर प्रकाश ने आईटी मंत्री से पूछा था कि क्या आधार कार्ड को जनगणना में इस्तेमाल करने की सरकार की कोई मंशा है?

नहीं है कोई योजना

आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने संसद में दिए लिखित जवाब में कहा, 'रजिस्ट्रार जनरल के ऑफिस और भारत के जनगणना आयुक्त ने बताया है कि आधार के डाटा को जनगणना में इस्तेमाल करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। वहीं, मृतकों के आधार कार्ड पर बताया कि, 'वर्तमान में जन्म और मृत्यु के पंजीकरण के लिए राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त रजिस्ट्रारों में जन्म और मृत्यु की पंजीकरण अधिनियम 1969 के प्रावधानों के तहत आधार को निष्क्रिय करने के लिए मृत व्यक्तियों की आधार संख्या प्राप्त करने का तंत्र नहीं है।'

136 करोड़ से ज्यादा आधार संख्या

आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर के मुताबिक, 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने सूचित किया है कि 28 फरवरी 2023 तक, उसके द्वारा 136 करोड़ से अधिक आधार संख्या जारी की जा चुकी है। मृत्यु की अनुमानित संख्या को एडजस्ट करने के बाद, जीवित आधार संख्या धारकों की अनुमानित संख्या 130.2 करोड़ है। ये 2022 के लिए अनुमानित संख्या का 94 फीसदी है। मृत्यु के पंजीकरण अधिनियम 1969 के तहत राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त अपने-अपने स्थानीय क्षेत्रों में जन्म और मृत्यु का पंजीकरण करते हैं। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने बताया है कि भारत के महापंजीयक ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करते समय एक मृत व्यक्ति की आधार संख्या को जानने के संबंध में, आधार को निष्क्रिय करने के लिए प्राधिकरण के साथ रजिस्ट्रार द्वारा बाद में आधार संख्या साझा करने के लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के मसौदा संशोधनों पर प्राधिकरण के सुझाव मांगे थे।

एयरबस के विमानों में लगेंगे 'मेक इन इंडिया' दरवाजे

टाटा को मिला ठेका

नई दिल्ली। एयरबस के विमानों में अब इंडिया में बने हुए दरवाजे लगेंगे। ऐसा पहली बार होने जा रहा है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) हैदराबाद स्थित अपने संयंत्र में ए320 नियो विमान के कार्गो और बल्क कार्गो दरवाजों का निर्माण करेगी। एयरबस (AiRus Aircraft) ने बुधवार को A320 हाद विमान के कार्गो और बल्क कार्गो दरवाजों के निर्माण के लिए Tata Advanced Systems Ltd (TASL) को एक कांट्रेक्ट किया है। कंपनी की ओर से बताया गया है कि एयरलाइन मार्केट में एयरबस को और आगे बढ़ाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा।टीएएसएल (Tata Advanced Systems Ltd) अत्याधुनिक रोबोटिक्स और ऑटोमेशन तकनीक का इस्तेमाल करके हैदराबाद में इन दरवाजों का निर्माण करेगी। प्रत्येक शिपसेट में दो कार्गो दरवाजे और एक बल्क कार्गो दरवाजे शामिल होंगे। हैदराबाद में ओलिवियर कॉक्विल, एसवीपी एयरोस्ट्रक्चर प्रोक्योरमेंट, एयरबस और मसूद हुसैनी, वीपी और एचओ एयरोस्ट्रक्चर व एयरो-इंजन, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

बता दें कि फ्रांस की कंपनी एयरबस (AiRus) की स्थापना 1970 में हुई थी। एयरबस के यूरोपीय संघ के चार देशोंः जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और स्पेन, के सोलह स्थानों पर करीब 57 हजार कर्मचारी काम करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एयरबस के प्रमुख लोगों में सीईओ थॉमस एंडर्स, सीएफओ हेराल्ड विल्हेम, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जॉन लेही और सीओओ फैब्रिस ब्रेगियर शामिल हैं। बीते दिनों एयरबस ने लगातार चौथे साल बोइंग से आगे दुनिया के सबसे बड़े विमान निर्माता के रूप में अपना ताज बरकरार रखा था। साल 2022 में एयरबस ने 1,078 जेट ऑर्डर के बाद नए विमान ऑर्डर और डिलीवरी के मामले में टॉप पर रही है। एयरबस ने पिछले साल 661 विमान सौंपे, जो 2021 की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। जबकि बोइंग ने 480 विमान दिए गए हैं।

राम नवमी के 6 दिन बाद ही क्यों जन्मे थे संकटमोचन हनुमान?

जानिए क्या है इसके पीछे का रहस्य

देशभर में धूमधाम के साथ ही हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है. राम भक्त और हनुमान भक्त दोनों ही इस शुभ दिन को मनाते हैं और पूजा-पाठ करते हैं. मान्यता है कि चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को ही भगवान हनुमान का जन्म हुआ था और इसलिए इस दिन को हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है. इस साल हनुमान जयंती गुरुवार 6 अप्रैल को पड़ रही है.

रामजी के जन्म के 6 दिन बाद हनुमान का जन्म

हम सभी जानते हैं कि हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त हैं. इसलिए उन्हें राम भक्त हनुमान भी कहा जाता है. संयोग देखिए कि भगवान राम के जन्म के 6 दिन बाद ही हनुमान जी का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है. यानी भगवान राम के जन्म के छह दिन बाद उनके भक्त हनुमान जी का भी जन्म हुआ था. इस साल 30 मार्च 2023 को रामनवमी का त्योहार मनाया गया और इसके ठीक छह दिन बाद अब 6 अप्रैल को हनुमान जयंती मनाई जाएगी.

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

तो इस कारण रामजी के जन्म के छह दिन बाद जन्मे भक्त हनुमान

रामजी के जन्म से ठीक 6 दिन बाद भगवान हनुमान के जन्म की घटना को आप भले ही महज संयोग मान सकते हैं. लेकिन यह संयोग नहीं बल्कि इसके पीछे एक बड़ा कारण है. तुलसीदास जी हनुमान चालीसा में लिखते हैं- 'भीम रूप धरि असुर संहारे. रामचंद्रजी के काज संवारे'. इसका अर्थ है कि, राम जी सबके बिगड़े काम बनाते हैं, लेकिन उनके काम हनुमानजी बनाते हैं. यही कारण है कि प्रभु राम की सहायता करने के लिए हनुमान जी का जन्म रुद्र के 11वें अवतार के रूप हुआ.

रुद्र यानी भगवान शिव हनुमान जी शिव के 11वें रुद्रावतार और भगवान राम विष्णुजी के 7वें अवतार हैं. कहा जाता है कि जब भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में पृथ्वीलोक पर असुरों का संहार करने के लिए एक सामान्य मनुष्य के रूप में जन्म लिया तो शिवजी चिंतित हो गए. इस कारण प्रभु की सहायता के लिए वे स्वयं भी हनुमान का अवतार लेकर उनकी सहायता के लिए धरती पर आ गए.

हनुमान जन्मोत्सव के शुभ योग में विशेष उपाय करेंगे परेशानी दूर

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

हनुमानजी जन्मोत्सव के शुभ योग में यदि कुछ विशेष उपाय किए जाएं तो आपकी हर परेशानी दूर हो सकती है। ये उपाय इस प्रकार हैं। आप परेशान हैं? आपको कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है? चारों ओर दिक्कत ही दिक्कत हो रही है तो परेशान न हो, हम बता रहे हैं कुछ विशेष उपाय । इन्हें कर आप भी कष्ट से मुक्ति पा सकते हैं।

ऐसे चढाएं हनुमानजी को चोला

हनुमान जयंती को हनुमानजी को चोला चढ़ाएं। हनुमानजी को चोला चढ़ाने से पहले स्वयं स्नान कर शुद्ध हो जाएं और साफ वस्त्र धारण करें। सिर्फ लाल रंग की धोती पहने तो और भी अच्छा रहेगा। चोला चढ़ाने के लिए चमेली के तेल का उपयोग करें। साथ ही, चोला चढ़ाते समय एक दीपक हनुमानजी के सामने जला कर रख दें। दीपक में भी चमेली के तेल का ही उपयोग करें। चोला चढ़ाने के बाद हनुमानजी को गुलाब के फूल की माला पहनाएं और केवड़े का इत्र हनुमानजी की मूर्ति के दोनों कंधों पर थोड़ा-थोड़ा छिटक दें। अब एक साबुत पान का पत्ता लें और इसके ऊपर थोड़ा गुड़ व चना रख कर हनुमानजी को भोग लगाएं। भोग लगाने के बाद उसी स्थान पर थोड़ी देर बैठकर तुलसी की माला से नीचे लिखे मंत्र का जप करें। कम से कम 5 माला जप अवश्य करें।

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे... मंत्र जपें

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।। अब हनुमानजी को चढाए गए गुलाब के फूल की माला से एक फूल तोड़ कर, उसे एक लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन स्थान यानी तिजोरी में रखें। इससे धन संबंधी समस्या हल होने के योग बनने लगेंगे।

करें बड़ के पेड़ का उपाय

गुरुवार की सुबह स्नान करने के बाद बड़ (बरगद) के पेड़ का एक पत्ता तोड़ें और इसे साफ स्वच्छ पानी से धो लें। अब इस पत्ते को कुछ देर हनुमानजी की प्रतिमा के सामने रखें और इसके बाद इस पर केसर से श्रीराम लिखें। अब इस पत्ते को अपने पर्स में रख लें। साल भर आपका पर्स पैसों से भरा रहेगा। अगली होली पर इस पत्ते को किसी नदी में प्रवाहित कर दें और इसी प्रकार से एक और पत्ता अभिमंत्रित कर अपने पर्स में रख लें।

घर में स्थापित करें पारद हनुमान की प्रतिमा

अपने घर में पारद से निर्मित हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित करें। पारद को रसराज कहा जाता है। पारद से बनी हनुमान प्रतिमा की पूजा करने से बिगड़े काम भी बन जाते हैं। पारद से निर्मित हनुमान प्रतिमा को घर में रखने से सभी प्रकार के वास्तु दोष स्वतः ही दूर हो जाते हैं, साथ ही घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। प्रतिदिन इसकी पूजा करने से किसी भी प्रकार के तंत्र का असर घर में नहीं होता और न ही साधक पर किसी तंत्र क्रिया का प्रभाव पड़ता है। यदि किसी को पितृदोष हो, तो उसे प्रतिदिन पारद हनुमान प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। इससे पितृदोष समाप्त हो जाता है।

शाम को जलाएं दीपक

हनुमान जयंती की शाम को समीप स्थित किसी हनुमान मंदिर में जाएं और हनुमानजी की प्रतिमा के सामने एक सरसों के तेल का व एक शुद्ध घी का दीपक जलाएं। इसके बाद वहीं बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमानजी की कृपा पाने का ये एक अचूक उपाय है। करें राम रक्षा स्त्रोत का पाठ सुबह स्नान आदि करने के बाद किसी हनुमान मंदिर में जाएं और राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करें। इसके बाद हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। जीवन में यदि कोई समस्या है, तो उसका निवारण करने के लिए प्रार्थना करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना क्रोधित हो जाएंगे बजरंगबली

■हनुमान की पूजा कभी भी सूतक काल में नहीं करनी चाहिए. किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर घर में 13 दिन के लिए सूतक काल लग जाता है. ■हनुमान जयंती के दिन स्त्रियों को छूने या स्पर्श करने से बचना चाहिए. इस दिन ब्रह्मचर्या का बड़ी सख्ती से पालन किया जाता है. ■हनुमान जयंती पर बजरंगबली को चरणामृत से स्नान कराने से बचना चाहिए. उनकी पूजा में चरणामृत चढ़ाने का विधान नहीं है. ■बजरंगबली की पूजा करते समय भूलकर भी काले या सफेद रंग के वस्त्र धारण न करें. इसके परिणाम बहुत ही अशुभ हो सकते हैं. ■हनुमान जयंती पर पूजा के लिए बजरंगबली की टूटी हुई या खंडित प्रतिमा का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें. ■हनुमान जयंती के दिन आपको नमक के सेवन से परहेज करना चाहिए. उन चीजों से भी परहेज करें, जो इस दिन आपने दान में दी हों. ■हनुमान जयंती के दिन मांस-मदिरा के सेवन से बचना चाहिए. शारीरिक संबंध बनाने से बचें. क्रोध में आकर किसी को अपशब्द ना कहें.

प्राणों की रक्षा के लिए मंत्र या रक्षा कवच बनाएं, रहेंगे सुरक्षित

प्राणों की रक्षा के लिए मंत्र या रक्षा कवच बनाकर आप भी सुरक्षित रह सकते हैं। इसके लिए करने होंगे कुछ विशेष उपाय। ऐसा करने से आप सुरक्षित रहने के साथ ही आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

एक प्रसंग

हनुमानजी जब लंका से आये तो राम जी ने उनको पूछा कि रामजी के वियोग में सीताजी अपने प्राणों की रक्षा कैसे करती हैं ? तो हनुमान जी ने जो जवाब दिया उसे याद कर लो। अगर आप के घर में कोई अति अस्वस्थ है, जो बहुत बीमार है, अब नहीं बचेंगे ऐसा लगता हो, सभी डाक्टर-दवाई भी जवाब दे गए तो ऐसे व्यक्ति की प्राणों की रक्षा इस मंत्र से करो..उस व्यक्ति के पास बैठकर ये हनुमानजी का मंत्र जपो..तो ये सीता जी ने अपने प्राणों की रक्षा कैसे की, ये हनुमानजी के वचन हैं..(सब बोलना)।

समझ लीजिये इसका अर्थ

नाम पाहरू दिवस निसि ध्यान तुम्हार कपाट। लोचन निज पद जंत्रित जाहिं प्रान केहिं बाट ? ' नाम पाहरू दिवस निसि ' ..... सीता जी के चारों तरफ आप के नाम का पहरा है। क्योंकि वे रात-दिन आप के नाम का ही जप करती हैं। सदैव राम जी का ही ध्यान धरती हैं और जब भी आंखें खोलती हैं तो अपने चरणों में नजर टिकाकर आप के चरण कमलों को ही याद करती रहती हैं ।

तो 'जाहिं प्रान केहिं बाट '.....

सोचिए कि आप के घर के चारों तरफ कड़ा पहरा है । छत और ज़मीन की तरफ से भी किसी के घुसने का मार्ग बंद कर दिया है, क्या कोई चोर अंदर घुस सकता है..? ऐसे ही सीता जी ने सभी ओर से श्री रामजी का रक्षा कवच धारण कर लिया है ..इस प्रकार वे अपने प्राणों की रक्षा करती हैं। तो ये मंत्र श्रद्धा के साथ जपेंगे तो आप भी किसी के प्राणों की रक्षा कर सकते हैं।

रक्षा कवच बनाने की विधि

दिन में 3-4 बार शांति से बैठें, 2-3 मिनिट होठों में जप करें और फिर चुप हो जाएं। ऐसी धारणा करें कि मेरे चारों तरफ भगवान का नाम मेरे चारों ओर घूम रहा है। भगवान के नाम का घेरा मेरी रक्षा कर रहा है।

ताज रायपुर के दस्तखत के साथ आईएचसीएल ने छत्तीसगढ़ में रखा कदम

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने ताज ब्रांड के होटल के साथ छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी शुरुआत की आज घोषणा की। यह होटल एक ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट है।

इस अवसर पर आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पुनीत छटवाल ने कहा, ''यह हस्ताक्षर आईएचसीएल के उस ध्येय के अनुसार है जिसके तहत कंपनी देश के हर राज्य की राजधानी में अपनी उपस्थिति कायम करना चाहती है। छत्तीसगढ़ भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते राज्यों में से एक है। रायपुर प्रदेश के लिए और केन्द्रीय भारत के लिए भी एक बड़ा वाणिज्यिक केन्द्र है। ताज ब्रांड को शहर में लाने के लिए हम व्यापक ग्रुप की कंपनी कृष (रायपुर) होटल्स प्रा. लि. के साथ साझेदारी से बहुत खुश हैं।

152 कमरों वाला यह लक्ज़री होटल रायपुर हवाई अड्डे से थोड़ी ही दूरी पर सबसे व्यस्त सड़क अटल पथ ऐक्सप्रैसवे पर स्थित है। एक ओर यह मार्ग नई राजधानी ''नया रायपुर'' से शहर को कनेक्ट करता है तो दूसरी तरफ कनेक्टिविटी के मामले में बहुत सुविधा प्रदान करता है। यहां पर एक ऑल डे डाइनिंग रेस्टोरेंट, एक स्पेशलिटी रेस्टोरेंट, एक लॉबी लाउंज और बार होंगे। इस होटल में 1300 वर्ग मीटर से अधिक आकार का बैंक्विटिंग स्पेस होगा, साथ में एक बड़ा कॉन्फ्रेंस हॉल, दो विशाल मीटिंग रूम, ब्रेकआउट रूम व एक बिज़नेस सेंटर भी होगा। यहां शहर का पहला सभागार भी होगा। यह होटल आईएचसीएल का सिग्नेचर स्पा ब्रांड भी शहर में पेश करेगा और साथ में अन्य रिक्रिएशनल सुविधाएं भी होंगी जैसे स्विमिंग पूल, जिम व सलून।

कृष (रायपुर) होटल्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक श्री मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, ''भारत की अग्रणी हॉस्पिटैलिटी कंपनी आईएचसीएल की साझेदारी में आइकॉनिक ब्रांड ताज को रायपुर में लांच करते हुए हम अत्यंत प्रसन्न हैं। गौर तलब है की ताज को दुनिया के सबसे मज़बूत होटल ब्रांड के खिताब से नवाज़ा गया है। अब ताज रायपुर इस शहर के आतिथ्य परिदृश्य को नए आयाम देगा।''रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी है। यह प्रदेश खनिज सम्पदा से भरपूर है तथा यह देश का सबसे बड़ा स्टील व लौह उत्पादक है। अपनी स्टील मिलों, टेराकोटा उद्योगों और प्राचीन मंदिरों वाला रायपुर शहर आधुनिक विकास एवं उत्कृष्ट विरासत का उम्दा मिश्रण है।

हिमालया बेबीकेयर ने बनाया बैंगलुरू हवाई अड्डे पर 150वां बेबी फीडिंग रूम

बैंगलूरू। आईपीटी नेटवर्क

जाने-माने ब्रांड हिमालया वैलनेस कंपनी ने सफ़र करने वाली माताओं को आराम पहुँचाने के इरादे को और भी मजबूत कर लिया है, जिसके तहत हिमालया बेबीकेयर के 150वें बेबी फीडिंग रूम का उद्घाटन केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (ँ हवाई अड्डे) टर्मिनल 2 पर हवाई अड्डे के अधिकारियों और हिमालया बेबीकेयर टीम की उपस्थिति में किया गया। इसके निर्माण के बाद हिमालया ने 150 से भी अधिक बेबी फीडिंग रूम प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन तथा कई अस्पतालों में बना लिए हैं, जिससे रोज हज़ारो माताओं को फ़ायदा मिल रहा है।

हिमालया का ही एक हिस्सा, हिमालय बेबी केअर छोटे बच्चों की देखभाल के लिए ऐसे उत्पाद बनाता है, जो शिशुओं के लिए कोमल और सुरक्षित होते हैं। हिमालया ने हमेशा से बच्चों और माताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पहला बेबी फीडिंग रूम, एक ऐसा साफ़ और आरामदायक स्थान जहाँ माताएं अपने बच्चों को निजता के साथ स्तनपान करा सकें, वर्ष 2012 में ँ हवाई अड्डे पर बनाया गया। यह पहल माताओं को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए कंपनी के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा माताएं अपने बच्चों को स्तनपान करा सकें। हिमालया बेबीकेयर ने बेबी फीडिंग रूम कई बड़े शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बैंगलुरू, हैदराबाद, लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, मैंगलोर, त्रिवेंद्रम, इंदौर, कोयम्बटूर, शिरडी, नागपुर, पुणे, भोपाल, कन्नूर, कालीकट और त्रिची आदि में बनाए हैं।

बेबी फीडिंग रूम के फायदे के बारे में बताते हुए, श्री चक्रवर्ती एन.वी., बिजनेस हेड - बेबीकेयर, हिमालया वैलनेस कंपनी ने कहा कि, 'हिमालया हमेशा से ही स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए मज़बूत और सक्षम समाज बनाने में विश्वास रखता है। हम उन सारी परेशानियों को समझते हैं, जिनका सामना शिशुओं के साथ सफ़र करती माताओं को करना पड़ता है। शिशुओं के साथ यात्रा करने वाले नए माता-पिता की जरूरतों को पूरा कर उनके सफ़र को तनाव मुक्त और अधिक आरामदायक बनाने के लिए यह पहल कंपनी के प्रयासों का एक हिस्सा है।

ExxonMobil ल्यूब्रीकेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना भारत में

रायगढ़, महाराष्ट्र में ल्यूब्रीकेंट प्लांट के निर्माण हेतु लगभग 900 करोड़ रुपये का निवेश

भारत में ल्यूब्रीकेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता के लिए इस नये प्लांट से प्रति वर्ष159,000 किलोलीटर ल्यूब्रीकेंट का उत्पादन होने की उम्मीद

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

महाराष्ट्र–ExxonMobil ने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के रायगढ़ स्थित इसाम्बे औद्योगिक क्षेत्र में एक ल्यूब्रीकेंट निर्माण संयंत्र बनाने के लिए लगभग 900 करोड़ रुपये (110 मिलियन अमरीकी डालर) का निवेश कर रहा है। कंपनी ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उद्योग मंत्री उदय सामंत एवं महाराष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में यह घोषणा की।

एक बार परिचालन शुरू होने पर, इस प्लांट में वर्ष में 159,000 किलोलीटर ल्यूब्रीकेंट्स तैयार करने की क्षमता है, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों जैसे निर्माण, इस्पात, बिजली, खनन, यात्रा एवं वाणिज्यिक वाहनों की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा किया जाएगा। यह प्लांट वर्ष 2025 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है।

भारत में ExxonMobil एफिलिएट्स के लीड कंट्री मैनेजर मोंटी डॉब्सन ने कहा 'हम भारत के साथ अपने पहले ग्रीनफील्ड निवेश के क्षेत्र में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और अधिक मज़बूत बनाने पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। महाराष्ट्र भारत का सबसे बड़ा निर्माण केंद्र है और शानदार निवेश वातावरण होने के कारण हमारे ल्यूब्रीकेंट प्लांट की स्वभाविक पसंद है।'

'मेक इन इंडिया' पहल को पर्याप्त बढ़ावा देने हेतु, स्थानीय स्तर पर यह प्लांट मूल स्टॉक, एडिटिव्स और सभी पैकिंग का एक प्रमुख स्रोत होगा। इसके निर्माण चरण के दौरान लगभग 1,200 पद सृजित होने का अनुमान है। विपिन राणा, सीईओ, ँदेंहश्दंग्त ल्यूब्रीकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, 'यह उच्च प्रदर्शन करने वाले ल्यूब्रीकेंट भारत के अग्रणी प्रदाता के रूप में हमारी स्थिति को और मज़बूत करने की दिशा में एक कदम है। यह निर्माण स्थानीय स्तर पर हमारी आपूर्ति श्रृंखला को आसान बनाएगा, जिससे हम अपने भारतीय ग्राहकों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को अधिक सरलता के साथ पूरा कर सकेंगे। हम भारत के विकास की कहानी में मदद करने हेतु अपनी बढ़ती भूमिका को लेकर अत्यधिक उत्साहित हैं।'

ल्यूब्रीकेंट टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक ग्लोबल लीडर के रूप में, ँदेंहश्दंग्त के मोबिल-ब्रांड वाले इंजन ऑयल, ग्रीस और ल्यूब्रीकेंट की व्यापक रेंज दशकों से भारत के ऑटोमोटिव और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए ऊर्जा दक्षता, उत्पादकता और स्थिरता को आगे बढ़ा रही है। कंपनी भारत में तरल प्राकृतिक गैस की एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता कंपनी भी है और इसके रासायनिक उत्पादों का भारतीय निर्माण में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

जापान में प्राथमिक कदमः

एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड- भारत और निफ्को इन्क-जापान के बीच व्यावसायिक सहयोग

निफ्को इन्क (मुख्यालयः योकोसुका सिटी, कनागावा प्रेफ, प्रेसिडेन्टः मसाहारू शिबाओ, इसके बाद 'निफ्को' के रूप में संदर्भित), एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी होने के साथ-साथ भारत और विश्व स्तर पर शैक्षिक संस्थानों का समर्थन करने वाले बैटरी-रहित उपकरणों के साथ एक घ्दऊ सॉल्यूशन प्रोवाइडर है और एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड (मुख्यालयः नई दिल्ली, भारत, एमडीः श्री वेद मणि तिवारी, इसके बाद 'एनएसडीसीआई' के रूप में संदर्भित), एक कंपनी जो भारतीयों के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों के निर्माण में लगी हुई है, ने एक समझौता ज्ञापन (श्दळ) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना, सेमिनार शुरू करना, एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ-साथ निफ्को की परियोजनाओं के लिए भारत और जापान के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और विकसित करना और भारत से जापान में भारतीय मानव संसाधनों के माइग्रेशन को प्रोत्साहित करना है।

दोनों देशों के बीच संबंध और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, कंपनियां एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगी ताकि ड1.भारत से जापान में कुशल पेशेवरों की भर्ती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता पैदा की जा सके, ड2.ज्वाइन्ट प्रमोशनल सेमिनार आयोजित किए जा सकें, ड3.ज्ञान साझा किया जा सके, जापानी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्किल सेट मैपिंग और भारत में शैक्षिक वातावरण के अनुकूलन में योगदान आदि दिया जा सके। कंपनियां भारत और जापान के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अपनी संबंधित विशेषज्ञता, कौशल, संसाधन और नेटवर्क लाने के लिए एक दूसरे के साथ सहयोग करेंगी।

SBI Server Down:

न चाहते हुए भी हर महीने सेविंग हो रही

... SBI का सर्वर डाउन होने पर यूजर्स ने लिए मजे

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई के कस्टमर्स ने यूपीआई और नेट बैंकिंग ट्रांजैक्शंस फेल होने की शिकायत की है। यूजर्स ने इस बारे में ट्विटर पर अपनी भड़ास निकाली है। कुछ यूजर्स का कहना है कि वे रविवार से ही एसबीआई सर्विसेज का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। बैंक ने अपने सर्वर के डाउन होने की पुष्टि नहीं की है लेकिन ट्विटर पर कुछ यूजर्स की शिकायतों का जबाव दिया है। कई यूजर्स ने स्क्रीनशॉट्स के साथ अपने गुस्से का इजहार किया है। इसी तरह कई यूजर्स ने इस पर मजेदार कमेंट्स भी किए हैं। बैंक ने यूजर्स के ट्वीट पर रिस्पांस करते हुए कहा कि हमें इसके लिए खेद है। बैंक ने कस्टमर्स के दोबारा ट्राय करने की बात कही है।

ABUSALI नाम के एक यूजर ने कहा कि योनो एसबीआई ऐप कल से नहीं चल रहा है। कल मैंने अपने लोन को रिपेमेंट किया लेकिन यह फेल हो गया। मेरे अकाउंट से पैसा कट गया है लेकिन अब तक इसे दुरुस्त नहीं किया गया है। इस पर एसबीआई ने कहा, 'इस असुविधा के लिए हमें खेद है। कृपया फिर कोशिश करें और अगर यह समस्या बनी रहती है तो हमें बताएं।' गौरव तनेजा नाम के एक यूजर ने लिखा, 'भाई एसबीआई सबसे बेस्ट है। एटीएम चलता नहीं, यूपीआई सर्वर हमेशा डाउन... ना चाहते हुए भी पर महीने सेविंग हो रही है।'

न्यू पार्लियामेंट प्रोजेक्ट में शामिल 910 कारपेन्टरों को स्किल इंडिया ने प्रमाणित किया

प्रशिक्षण और प्रमाणन गतिविधि का संचालन

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत के एक प्रमुख उदाहरण के रूप में, भारत को इस बात पर गर्व है कि नई संसद, जोकि लोकतंत्र का मौजूदा मंदिर है और जो जल्द ही अपने 100 साल पूरे कर रहा है, हमारे ही लोगों द्वारा बनाया जा रहा है, जोकि हमारे अपने 'कारीगर' (वर्कर) हैं। और इन वर्कर के प्रयासों को मान्यता देते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में काम कर रहे फर्नीचर और फिटिंग स्किल काउंसिल (एफएफएससी) ने एनडीएमसी अधिकार क्षेत्र और नरसी ग्रुप के सहयोग से आरपीएल मान्यता के तहत 910 कारपेन्टरों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया है। इस परियोजना का उद्देश्य कारपेन्टर के कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाना और उन्हें भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले नए संसद भवन के लिए एक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने में सक्षम बनाना है।

यह कार्यक्रम संसद में आयोजित किया गया था और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के संयुक्त सचिव डॉ.के.के द्विवेदी ; श्री दीपक अग्रवाल, संयुक्त सचिव, आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (एमओएचयूए); श्री अश्विनी मित्तल, एनपीबी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी); श्री सुशील अग्रवाल, निदेशक, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईवीटी), और विवेक शर्मा, प्रबंधक - रणनीति, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी)सहित उद्योग हितधारकों ने भाग लिया। रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) स्किल इंडिया की प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) का एक घटक है और एक मूल्यांकन प्रक्रिया है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति के मौजूदा कौशल सेट, ज्ञान और अनुभव का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है, जो औपचारिक, गैर-औपचारिक या अनौपचारिक रूप से सीखा हुआ होता है।

कार्यक्रम के द्वारा उम्मीदवारों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्री-स्क्रीनिंग मार्गदर्शन, परामर्श और सहायता प्रदान की जाएगी। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के पास विभिन्न कार्यक्रम हैं जो कौशल विकास पहलों को पूरा करने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों को देते हैं। मंत्रालय ने नरसी समूह के साथ पहले विभिन्न आरपीएल योजनाओं के तहत 6,000 से अधिक कारपेन्टरों को प्रशिक्षित किया है। यह प्रक्रिया रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और कौशल अंतर को कम करने के लिए देश के अनियमित कार्यबल की दक्षताओं को मानकीकृत राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (ऍंइ) में संरेखित करने में मदद करती है।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के संयुक्त सचिव डॉ.कृष्ण कुमार द्विवेदी ने कहा, संसद भवन भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत का प्रतीक है, और यह भारत के शौर्य और गौरव का प्रतीक है। आज का समारोह हमारे कारपेंटरों को सर्वश्रेष्ठ हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण, औपचारिक प्रमाणन प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कौशल सेट की पहचान को सक्षम करेगा और नए संसद भवन में एक शीर्ष-स्तरीय बुनियादी ढांचा स्थापित करने में सहायता करेगा। इस प्रशिक्षण से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी उम्मीदवारों की संभावनाएं बढ़ेंगी। इस प्रशिक्षण के साथ, हमारे कारपेंटर के पास विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने और उद्योग की मांगों को पूरा करने वाली प्रसिद्ध परियोजनाओं को पूरा करने की क्षमता होगी। यह पहल एक कुशल कार्यबल के निर्माण के लिए सरकार की पहल को रेखांकित करती है जो हमारे देश की वृद्धि और विकास को गति दे सकती है।

स्कोडा स्लाविया को क्रैश सेफ्टी में मिले 5 स्टार

इंडिया 2.0 और मेड-फॉर इंडिया MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म के लिये बड़ी बात

स्कोडा का पूरा बेड़ा ग्लोबल एनसीएपी परीक्षणों में सबसे ज्यादा अंकों के साथ 5-स्टार सुरक्षित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सुरक्षा और टूट-फूट के मामले में स्कोडा ऑटो इंडिया के टिकाऊ होने का दर्जा लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि स्लाविया सेडान को हाल ही में ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) क्रैश टेस्ट्स में 5 में से पूरे 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया इस प्रकार ग्लोबल एनसीएपी द्वारा परखी गई सबसे सुरक्षित कार भी बन गई है, भारत के लिये ज्यादा सुरक्षित कारों के मुद्दे को आगे बढ़ाती है और स्कोडा ऑटो इंडिया को भारत की एकमात्र निर्माता बनाती है, जिसके पास क्रैश-टेस्टेड कारों से भरा बेड़ा है, जिन्हें वयस्क और बाल यात्रियों के लिये 5-स्टार्स मिले हैं।

स्लाविया द्वारा स्थापित किये गये सुरक्षा मानकों पर अपनी बात रखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टर श्री पेट्र सोल्क ने कहा, 'स्कोडा में अपनी रणनीति के तहत हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते हैं। यह बताते हुए मैं खुश हूँ कि हमारी दूसरी इंडिया 2.0 कार स्लाविया को ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षण में 5-स्टार रेटिंग मिली है। यह बात सुरक्षा, परिवार और मानवीय स्पर्श के हमारे ब्राण्ड के मूल्यों से पूरी तरह मेल खाती है। हम गंभीरता से अपने ग्राहकों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने स्कोडा के उत्पाद खरीदने का फैसला लिया है और हम बहुत खुश हैं कि हम उनके लिये बाजार की सबसे सुरक्षित कारों की पेशकश कर सकते हैं। सुरक्षा के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ हमारे पास 5-स्टार सुरक्षित कारों की पूरी तरह से परखी हुई एक श्रृंखला है। इससे मुहर लगती है कि हमने किस तरह हमेशा अपनी कारों की गुणवत्ता, टिकाऊपन और सुरक्षा पर ध्यान दिया है। सुरक्षा हमारी रणनीति के मूल में है और हम इस दर्शन के साथ कारें बनाते रहेंगे।'

स्लाविया को स्थानीयकरण, स्वामित्व और रख-रखाव की कम लागत पर ज्यादा ध्यान के साथ डिजाइन किया गया था। साथ ही स्कोडा की सक्रिय ड्राइविंग की खूबियों को बरकरार रखा गया और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया। भीतर के विभिन्न आघातों पर उसे परखा गया था। स्लाविया को शुरूआत से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया था। उसके आंतरिक ढांचे को कम वेल्ड किया गया है। इस ढांचे में ज्यादा मजबूत स्टील है और वह दुर्घटना के प्रभाव को कम तथा अवशोषित करने के लिये बना है, ताकि बाहरी हिस्से पर अंदर के केबिन से कम प्रभाव हो। यह मजबूत और आघात का अवशोषण करने वाली संरचना सुरक्षा की एक्टिव और पैसिव टेक्नोलॉजी का संगम है, जोकि स्लाविया को भीतर से लेकर बाहर तक पूरी तरह से सुरक्षित कार बनाता है।

स्लाविया में 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, मल्टी-कोलिजन ब्रेकिंग, ट्रैक्शन कंट्रोल, एंटी-लॉक ब्रेक्स, बच्चों की सीटों के लिये आइसोफिक्स माउंट्स, टॉप टेथर एंकर पॉइंट्स, रेन-सेंसिंग वाइपर्स, ऑटोमेटिक हेडलाइट्स, टायर-प्रेशर मॉनिटरिंग, आदि जैसी खूबियाँ हैं। अधिकतम 34 अंकों में से स्लाविया को वयस्क यात्री के लिये 29.71 अंक मिले और वयस्क यात्री के लिये अलग से 5-स्टार मिले। बाल यात्रियों के लिये इस सेडान ने 49 में से 42 अंक हासिल किये और 5-स्टार प्राप्त किए। स्लाविया इस प्रकार ग्लोबल एनसीएपी के नये और ज्यादा कठोर परीक्षण के प्रोटोकॉल्स के अनुसार परखी गई सबसे सुरक्षित कार बन गई।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।